महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः

देवासमार्गः,उज्जैनम् (म.प्र.) 456010

एम. ए. हिन्दू अध्ययन

(Programme code – MA-HIS)

स्नातकोत्तरपरीक्षापाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

2025-2026

विशिष्टसंस्कृतविभागः

कलासङ्कायः

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः, देवासमार्गः,उज्जैनम् (म.प्र.)

अणुसंकेतः- regpsvvmp@rediffmail.com, अन्तर्जालपुटम् - www.mpsvv.ac.in

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

एम.ए.हिन्दू अध्ययन (सी.बी.सी.एस.)परीक्षापाठ्यक्रमः

नियमावली

एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षापाठ्यक्रम (C.B.C.S)

नियमावली

1. **पाठ्यक्रम का स्वरूप-**

एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा का द्विवार्षिक पाठ्यक्रम चार सत्रार्द्धों में विभक्त होगा । पाठ्यक्रम के प्रतिसत्रार्द्ध में 06 प्रश्नपत्र होंगे। उसमें चार प्रश्नपत्र अनिवार्य है। पञ्चम पत्र वैकल्पिक है। चार विषय विकल्प के रूप में प्रदत्त हैं। छात्र स्वेच्छा से किसी एक विषय को चयनित कर सकते हैं। षष्ठ प्रश्नपत्र सम्प्रेषण कौशल और समूहचर्चा के लिए निर्धारित है। तृतीयसत्रार्द्ध के षष्ठ प्रश्नपत्र में परियोजनाकार्य को विकल्प से ले सकते हैं। परियोजनाकार्य में अनुवाद पाण्डुलिपिसम्पादन प्रशिक्षणकार्य सर्वेक्षण कार्यस्थल प्रशिक्षण आदि कर सकते हैं। चतुर्थसत्रार्द्ध के षष्ठ प्रश्नपत्र में लघुशोधप्रबन्धलेखन विकल्प से ले सकते हैं । पाठ्यक्रम में प्रत्येक प्रश्नपत्र का पूर्णांक 100 है। जिसमें 40 अङ्कों का आन्तरिक मूल्याङ्कन एवं 60 अङ्कों की सैद्धान्तिक (बाह्य) परीक्षा होगी।

2. **प्रवेश नियम-**

एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा में निम्नलिखित परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे-
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्था से (किसी भी विषय में) स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण छात्र प्रवेशार्ह होंगे।

3. **परीक्षा योजना**

   1. एम.ए. (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा।
   2. एम.ए (हिन्दू अध्ययन) परीक्षा में (प्रथम-द्वितीय-तृतीय-चतुर्थ सत्रार्द्ध) उत्तीर्ण होने के लिए समष्टि रूप से 35% अङ्क अपेक्षित होंगे।

4. **प्रश्नपत्र निर्माण योजना**

प्रतिप्रश्न निम्नानुसार त्रिविध प्रश्न होंगे। उनमें प्रत्येक प्रश्न में एक विकल्प अनिवार्य रहेगा।

क्रमः	प्रश्नप्रकारः	प्रश्नसंख्या	अंकः	योगः
1	बहुविकल्पीयाप्रश्नाः	5	1	5
2	लघूत्तरीयप्रश्नाः	5	3	15
3	दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः	5	8	40
4	आन्तरिकमूल्याङ्कनम्	1	1	40
				योग-100

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

5. ग्रेडिंगपद्धतिः श्रेणीनिर्धारणं च

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90 – 100
A+	9	Excellent	80 - 89
A	8	Very Good	70 - 79
B+	7	Good	60 - 69
B	6	Above Average	50 - 59
C	5	Average	40 - 49
P	4	Pass	35 – 39
F	0	Fail	0 - 34
Ab	0	Absent	Absent

Division	Criterion
First Division with Distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above.
First Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above.
Second Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50 .
Pass Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

Equivalent Percentage- CGPAX10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA), Yearly Grade point average (YGPA),and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\textbf{SGPA/YGPA/CGPA} = \frac{\Sigma \text{ (No. of credits * Grade Point)}}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/YGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

प्रथमसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा -अङ्काः	आन्तरिकमूल्यांकन - अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 101	CC 1	संस्कृत परिचय	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 102	CC 2	रामायण	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 103	CC 3	महाभारत	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 104	CC 4	पुराण परिचय	05	5Hrs	60	40	100
PVYG 102	EC योग	योग के आधारभूततत्त्व	05	5Hrs	60	40	100
VVVS 102	EC वास्तुशास्त्र	प्रारम्भिक वास्तुशास्त्रम्					
ARSN102	EC संस्कृत	भरतीयदर्शनम्					
VVJY 102	EC ज्योतिर्विज्ञान	फलित ज्योतिष					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills	03	3 Hrs	NA	60	60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion	02	2 Hrs	NA	40	40
		TOTAL	30	30	300	300	600

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS) GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततःछात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम्।

उद्देश्यानि-

- हिन्दू अध्ययनस्य वैशिष्ट्यं छात्राः जानीयुः।
- भारतीयसंस्कृतेः, मानवमूल्यानाम्, भारतस्य गौरवपूर्णेतिहासस्य च परिचयः छात्रेषु भवेयुः।
- कुशलवक्तारः, उपदेष्टारः, व्याख्यातारः, साहित्यकाराः, विद्वांसश्च छात्राः भवेयुः।
- स्ववृत्यर्थं छात्राणां कौशलसम्वर्द्धनम्।
- शासकीय-अशासकीयक्षेत्रेषु संस्कृतशिक्षकाणां, प्रबन्धकानां, मार्गदर्शकानां, धर्मगुरूणां च पदेषु नियुक्त्यर्थं योग्यनागरिकनिर्माणम्।

लाभाः-

- स्नात्कोत्तरोपाधिं प्राप्य छात्राः शासकीयाशासकीयेषु वा संस्थासु शिक्षकाः भवितुमर्हन्ति।
- छात्राः कुशलोपदेष्टारः कुशलवक्तारः साहित्यकाराश्च भवितुमर्हन्ति।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः- CC1	विषयकूटः-ARHS 101	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**संस्कृतपरिचयः प्रथमप्रश्नपत्रम्**	
3.	पाठ्यक्रमस्य प्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. संस्कृतभाषाव्याकरणयोः परिज्ञानं भविष्यति। 2. संस्कृतसम्भाषणे समर्थः भविष्यति। 3. वर्णोच्चारणादिकस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकाः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्काः
ईकाई01	1. संस्कृतवर्णमालापरिचय – चतुर्दशमाहेश्वरसूत्र, वर्णोच्चारण, 2. शब्दरूप (अजन्त) पुलिङ्ग - राम, देव कवि हरि, गुरु,पितृ दातृ, पति स्त्रीलिङ्ग- रमा, लता, मति, नदी, मातृ, नपुंसक- फल, वारि , वस्तु अस्मद्, युष्मद्, /तत्, एतत्, यत्, भवत्, किम्, इदम्, अदस्, सर्व (त्रिषु लिङ्गेषु)।	12
ईकाई 02	शब्दरूप (हलन्त /व्यञ्जन)- पुं.-भिषज् (भिषक्), महत्, सुहृद्, राजन्, विद्यार्थिन्, पथिन्, गच्छत्, मरुत् आत्मन्, ब्रह्मन्, विद्वस्, स्त्री- वाच्,सरित्,दिश् , परिषद्,स्त्री, लक्ष्मी, श्री,। नपु.जगत्,नामन्,कर्मन्, चक्षुष्, मनस्, हविष्, धनुष्,पयस्, दधि।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	3.धातुरूप (लट् लोट् लृट्, लङ्, विधिलिङ्ग) पञ्चलकार लकारों में धातुरूप परस्मैपदी- लिख, पठ्, चल्, नम्, खाद्, वद्, हस्, गै, कृ, क्री, ज्ञा, घ्रा, नी, दृश्, धृ, पत्, स्मृ, क्रुध्, शक्, पृच्छ्, इष् (इच्छ्), दा, जिव्, त्यज्, धाव्, पच्, रक्ष्, सृ, रुद्, भी, नश्, स्निह्, आप्, क्षिप्, जप्, विश्, मिल्, ग्रह्, चिन्त्, पाल्, रच्, क्षल्। आत्मनेपदिनः- लभ्, मुद्, क्षम्, वृध्, सह्, सेव्, ईक्ष्, ऊह्, कम्प्, भाष्, यत्, रम्, वन्द्, याच्, शीङ्। सत्तात्मकौ – अस्, भू ।	
ईकाई03	1. सन्धि – स्वरसन्धि – यण्, अयादि, गुण, वृद्धि, दीर्घ, पूर्वरूप, पररूप, प्रकृतिभाव। व्यंजनसन्धि- परसवर्ण, श्चुत्वम, ष्टुत्व, जशत्व, श्चुत्व, णत्व-षत्वविधि। विसर्गसन्धि – 2. समास – केवलसमास,अव्ययीभाव, तत्पुरुष, बहुव्रीहि, द्वन्द्व।	12
ईकाई04	1. कारकम् कर्ता, कर्म, करणम्, सम्प्रदानम्, अपादानम् (सम्बन्धः), अधिकरणम्, सम्बोधनम्। 2. उपपदविभक्ति • अधि, अनु, उप, उभयत, प्रति, धिक्, बिना,- द्वितीया। • अलम्, बिना, सह, - तृतीया। • बिना, बहिः, परम्, पूर्वम् - पञ्चमी। • अग्रतः, पृष्ठत, दक्षिणतः, उत्तरत- योगे षष्ठी। • स्निह् विश्वस् - सप्तमी	12
ईकाई05	1.वाच्य – कर्तृवाच्य, कर्मवाच्यम्,भाववाच्य । 2.प्रत्यय- तुमुन्, शतृ, शानच्, ण्यत्, क्तिन्, ल्युट्, तव्यत् 3.अव्यय- अत्र, तत्र, यत्र, सर्वत्र ,यथा, तथा, प्रातर्, 4 उपसर्ग - आ, उत्, अनु, वि, प्र, परि, अव, उप, सम, अप। 5. विशेष्य-विशेषणसम्बन्ध। 5. सङ्ख्या-सङ्ख्यावाचि- शब्दरुपाणि एकः, द्वौः,त्रयः,चत्वारः (त्रिपु लिङ्गेषु)।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, विशालाक्षी भवन, भूगर्भतल, चौक, वाराणसी 221001।
2. अनुवादचन्द्रिका, ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, चौक, वाराणसी 221001।
3. संस्कृत स्वयं शिक्षक, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली 1100001।
4. लघुसिद्धान्तकौमुदी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, चौक, वाराणसी 221001।
5. कारक प्रकरण चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, चौक, वाराणसी 221001।

Suggested equivalent online courses:-

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग- द अनुशंसितमूल्याङ्कनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

पूर्णाङ्काः: 100

सततव्यापकमूल्याङ्कनाङ्काः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीयपरीक्षाङ्काः (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् सततव्यापकमूल्याङ्कनम् (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्/लिखितपरीक्षा/साक्षात्कारविधिः/ वाग्व्यवहारविधिः	
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्चबहुविकल्पीयप्रश्नाः	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघूत्तरीयप्रश्नाः प्रत्येकं द्विशतशब्दाः (200 words)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः (500 words)	5 × 8 =40
	योगः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC2	विषयकूटः- ARHS 102	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	रामायणम् – द्वितीयप्रश्नपत्रम्	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.रामायणविषयकं सामान्यज्ञानं भविष्यति। 2.रामायणस्य प्रासंगिकतायाः लोकप्रियतायाः ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः (75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	• वाल्मीकिरामायण का परिचय • काण्डानुसार कथासार। • परवर्ति साहित्य पर रामायण का प्रभाव • रामायणाधारित काव्यपरिचय (गद्य, पद्य,नाटक)	12
ईकाई 2	• विश्वसाहित्य में रामायण का स्थान • रामकथापरक ग्रन्थ परिचय (अध्यात्म रामायण, कम्बन, कृतिवास, आनन्द, अद्भुत, रामचरितमानस)	12
ईकाई 3	• मर्यादापुरुषोत्तम राम। • व्यक्तित्त्व • भारतीय आस्था के केन्द्र राम • रामचरित की प्रासंगिकता	12
ईकाई 4	• रामायण के स्त्रीपात्र (अनुसूया, अहल्या ,मन्दोदरी,सीता,तारा,स्वयंप्रभा,त्रिजटा,उर्मिला,शबरी, कैकेयी,कौशल्या)	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 5	• रामराज्य • रामायणकालिक समाज तथा संस्कृति • रामायण में भौगोलिक वर्णन	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. श्रीमद्वाल्मीकि रामायण, हिन्दी अनुवाद सहित, गीता प्रेस, गोरखपुर, संस्करण 17, 2002।
2. श्रीमद्वाल्मीकि रामायण, (भाग 1-2), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, न्यू हैदराबाद, लखनऊ, 1988।
3. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, तृतीय खण्ड(आर्षकाव्य) रामायण, उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानए न्यू हैदराबाद, लखनऊ।
4. रामायणमीमांसा, धर्मसम्राट् हरिहरानन्द सरस्वती करपात्री स्वामी,

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC3	विषयकूटः- ARHS 103	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	महाभारतम् - तृतीयप्रश्नपत्रम्	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः (core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. विश्वकोशरूपेण महाभारतस्य ज्ञानं भविष्यति। 2. महाभारतोक्तं राजनीतिविषकं ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	• महाभारत का परिचय तथा काल निर्धारण(युधिष्ठर संवत् कृष्ण संवत्, विक्रम संवत्) • पर्व के अनुसार कथासार	12
ईकाई 2	• महाभारत के अनुसार धर्म। • धर्म के दश लक्षणों के सम्बन्ध में कथायें : धृति (गंगावतरण), क्षमा (वशिष्ठ और विश्वामित्र संवाद), दम (ययाति और पुरु की कथा), अस्तेय (युधिष्ठिर-यक्ष संवाद), शौच (स्वर्णिम नेवले की कथा), इन्द्रियनिग्रह (धर्मव्याध के उपदेश), धी (सावित्री कथा), विद्या (स्त्री पर्व से मनुष्य-व्याघ्र-सर्प-गज की कथा), सत्यम् (हरिशचन्द्र/सत्यकाम की कथा) अक्रोध (परिक्षित द्वारा ऋषि शमिक को अपमान की कथा)।	12
ईकाई 3	• महाभारत मे स्त्रीपात्र (द्रौपदी, गांधारी,हिडिम्बा,जाम्बवती, कुन्ती,माद्री, रुक्मिणी, सत्यभामा, सत्यवती, शिखण्डी, सुलोचना, उलूपी, उत्तरा।	
ईकाई 4	• भारतीय साहित्य तथा कलाओं का उपजीव्य स्रोत ग्रन्थ महाभारत • महाभारत मे भारत वर्ष का भौगोलिक स्वरूप	12
ईकाई 5	• महाभारत में राजधर्म तथा राजनीति • विदुरनीति का सामान्य परिचय	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि
अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री- 1. महाभारत, वेदव्यास, अनुवादक- श्रीपाद शास्त्री सातवलेकर, प्रकाशन- स्वाध्याय मण्डल, पारडी बालसड, 2. संस्कृत वाङ्मय का बृहद् इतिहास, तृतीय खण्ड- आर्षकाव्य (महाभारत), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, प्रथम संस्करण. 3. महाभारतम् ,महर्षि वेदव्यास, गीताप्रेस, गोरखपुर,
Suggested equivalent online courses: 1- Sanskrit.inira.fr/ 2. learnsanskrit.cc/index 3.sanskrit.samskrutam.com 4.swayam.gov.in
भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः
अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

प्रथमसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC4	विषयकूटः- ARHS104	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	पुराण परिचय-चतुर्थप्रश्नपत्र	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापिक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. विश्वविद्यालयानुदानायोगनवदेहलीद्वारा प्राप्तमान्यताविश्वविद्यालयस्य बी.ए.(संस्कृत)/ शास्त्रिपरीक्षोत्तीर्णः तत्समकक्षपरीक्षोत्तीर्णो वा एम.ए. हिन्दू-अध्ययनपरीक्षायां प्रवेष्टुमर्हति ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.पुराणस्य ज्ञानं भविष्यति। 2.वाक् कौशलं विकसति। 3.पुराणकालीनसमाजस्य ज्ञानं विशेषरूपेण भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	• पुराण शब्द का अर्थ। अष्टादश पुराण और उपपुराण परिचय, पुराणों के द्वारा वेदों का उपबृंहण। • पुराण पञ्च लक्षण, पुराणों तथा आगम का अन्तःसम्बन्ध। • पुराणों में कालगणना।	12
ईकाई 2	• धर्म, दिनचर्या, संस्कार, अतिथि सत्कार की अवधारणा। • तप, यज्ञ, दान एवं क्रिया (इष्ट-आ-पुर्त्त-दत्त)।	12
ईकाई 3	• पुराणों में भारतीय जन, भाषा तथा भूगोल का वर्णन- संस्कृत, एकीकरण की भाषा के रूप में। • आख्यान एवं उपाख्यान परिभाषा। • पुराणों में ऋषि एवं ऋषिकायें (वृहद्दवता प्रोक्त)	12
ईकाई 4	पुराणों में कतिपय विशिष्ट स्त्री तथा पुरुष चरित्र- - वेदव्यास, दधीचि, मान्धाता, मुचकुन्द, नहुष, रन्तिदेव, राम, भरत, अम्बरीष, पुरंजन। - पार्वती, अनुसूया, अहिल्या, सीता, मन्दोदरी, कुन्ती, द्रौपदी।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

इकाई 5	(1) द्वादशारण्य। (2) सप्तपुरियाँ। (3) तीर्थस्थल चार धाम। (4) द्वादश (5) ज्योतिर्लिंग। (6) 52 शक्तिपीठ। (7) सप्तद्वीप।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. पुराणपरिशीलन, गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना 1970।
2. पौराणिक कोश राणा प्रताप शर्मा, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी वि.स. 2014।
3. अष्टादशपुराणदर्पण, ज्वालाप्रसाद मिश्र, वेंकटेश्वर प्रेस मुम्बई, 1993।
4. पुराणपर्यालोचन, कृष्णमणि त्रिपाठी, सं. विश्वनाथ पाण्डेय, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 1976।
5. पुराणविमर्श, बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1965।
6. व्रतपरिचय, हनुमान शर्मा, गीताप्रेस, गोरखपुर, सत्र 2058।
7. सनातनधर्मोद्धार (भाषा-भाव-प्रभाटीकासमेत)(खण्ड 1 से 4) उमापति द्विवेदी महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाशक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस. वाराणसी संवत् 1999।
8. पुराणों में कुछ भौगोलिक सन्दर्भ – वायुपुराण-1/ ३४-35, ब्रह्माण्डपुराण- 2/15, मत्स्यपुराण- 1/21, श्रीमद्भागवत- 5/16-20, विष्णुपुराण- 2/2-6, मार्कण्डेयपुराण- 51-57, नारदपुराण- 30, पद्मपुराण-सृष्टिखण्ड 3-9, कूर्मपुराण- 1/44-49, वराहपुराण- 7/4-9 ब्रह्मपुराण- 1/8-26, देवीपुराण- 8/4-13, लिङ्गपुराण- 1/46, गरुडपुराण-1/54-57, शिवपुराण-3/17-18 आदि।

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60
समयः : 03:00 घण्टा	

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

द्वितीयसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा-अङ्काः	आन्तरिक मूल्यांकन-अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 201	CC 1	भारतीय संस्कृति	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 202	CC 2	धर्म एवं कर्म विमर्श	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 203	CC 3	वैदिक परम्परा के सिद्धान्त	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 204	CC 4	वेदाङ्ग	05	5Hrs	60	40	100
PVYG202	EC योग	हठ योग के सिद्धान्त	05	5Hrs	60	40	100
VVVS201	EC वास्तुशास्त्रम्	विश्वकर्मा वास्तु					
ARSN202	EC संस्कृत	भारतीयदर्शनम्					
VVJY202	EC ज्योतिर्विज्ञानम्	मुहुर्तशास्त्रम्					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills	03	3 Hrs	NA	60	60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion	02	2 Hrs	NA	40	40
		TOTAL	30	30	300	300	600

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS)
GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततः छात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम्।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC1	विषयकूटः- ARHS 201	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	भारतीयसंस्कृतिकदर्शनञ्च प्रथमप्रश्नपत्रम्	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. हिन्दूसंस्कृतिपरिचयो भविष्यति। 2. भारतीयदार्शिनिकपरम्परा ज्ञानं भविष्यति	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	• ऐतिहासिक तथा भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में हिन्दूशब्दविचार, • हिन्दूजीवनदृष्टि, • अष्टादश विद्या	12
ईकाई 2	• संस्कृति और सभ्यता में भेद , भारतीय संस्कृति में संस्कार, आश्रम, पुरुषार्थ, वर्णव्यवस्था	12
ईकाई 3	• भारतीयदार्शनिक सम्प्रदाय में तत्त्व तथा आचार- न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग,वेदन्त तथा मीमांसा,	12
ईकाई 4	• भारतीयदार्शनिक सम्प्रदाय में तत्त्व तथा आचार- जैन, बौद्ध, काश्मीर शैवदर्शन,	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 5	• भारतीय ऋषियों का परिचय • भारतीय सन्तो का परिचय	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. प्राचीन भारतीय संस्कृति – डॉ. वीरेन्द्र सिंह
2. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर
3. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय
4. संस्कारप्रकाश – गीताप्रेस
5. संस्कारों का तात्त्विक विवेचन – भवानीशङ्कर पाण्डेय
6. भारतीयदर्शन- दत्त एवं चटर्जी
7. भारतीयदर्शन- बलदेव उपाध्याय

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः-CC2	**विषयकूटः- ARHS 202**	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**धर्म एवं कर्म विमर्श -द्वितीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः (core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.हिन्दूग्रन्थानुसारं धर्मस्वरूपं स्पष्टं भविष्यति । 2.भारतीयज्ञानपरम्परानुसारं कर्मसिद्धान्तस्य स्पष्टता भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	धर्म- अर्थ परिभाषा तथा विशेषताएं • वैदिक वाङ्मय में धर्म • धर्मशास्त्र स्मृतियों, मीमांसादर्शन तथा वैशेषिक दर्शन में धर्म • रामायण – महाभारत- गीता शांकरभाष्य के अनुसार धर्म • जैन तथा वौद्ध परम्परा में धर्म	12
ईकाई 2	धर्म के विविध भेद • प्रवृत्ति मूलक धर्म • निवृत्ति मूलक धर्म • राजधर्म • आपद्धर्म तथा स्वधर्म • समाजधर्म	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 3	वर्णाश्रमधर्म • धर्मशास्त्र एवं स्मृतियों के अनुसार वर्णाश्रम धर्म • महाभारत के अनुसार वर्णाश्रमधर्म • वर्णाश्रमधर्म की प्रासंगिकता	12
ईकाई 4	कर्म- अर्थ परिभाषा तथा विशेषताएं • वैदिक वाङ्मय में कर्म • धर्मशास्त्र तथा स्मृतियों में कर्म • भारतीयदर्शन में कर्म • रामायण – महाभारत- गीता शांकरभाष्य के अनुसार कर्म	12
ईकाई 5	कर्मभेद तथा फल • कर्म विकर्म तथा अकर्म • निष्काम तथा सकाम कर्म • षड्-विध कर्म (नित्य, नैमित्तिक, प्रायश्चित्त, उपासना, काम्य, तथा निषिद्ध) • कर्मफल, संस्कार, प्रारब्ध, संचित तथा क्रियमाणकर्म • कर्म विपाक, कर्माशय तथा अपूर्व की अवधारणा	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

संस्तुत पाठ्यसामग्री-

1. धर्मशास्त्र का इतिहास. पी वी काणे, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, भाग-5, सन् 2019, सप्तम संस्करण।

2. हिन्दूधर्म जीवन में सनातन की खोज, विद्यानिवास मिश्र, राधाकृषण प्रकाशन, दिल्ली. 2013 |

3. भगवद्गीता शाङ्करभाष्य (हिन्दी अनुवाद सहित) गीताप्रेस गोरखपुर, संवत् 2065 ।

4.भारतीय दर्शन, दत्तचटर्जी

5. भारतीय दर्शन , बलदेवउपाध्याय

6.रामायण गीताप्रेस

7. महाभारत गीताप्रेस

8. मनुस्मृति चौखम्बा सुरभारती वाराणसी

9 .याज्ञवल्क्यस्मृति चौखम्बा सुरभारती वाराणसी

10 कर्मयोग शास्त्र बालगंगाधर तिलक

11जैनदर्शन मनन और मीमांसा आचार्य महाप्रज्ञ , जैनविश्वभारती राजस्थान.

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) समयः : 03:00 घण्टा	60	
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC3	**विषयकूटः**- ARHS 203	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**वैदिक परम्परा के सिद्धान्त-तृतीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.वैदिकपरम्परायाः परिचयोः भविष्यति। 2.कर्तव्याकर्तव्यस्य ज्ञानं भविष्यति। 3.यज्ञमीमांसायाः अवबोधो भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**वैदिक परम्परा एवं उसके आधारभूत तत्त्व** • वेद : अर्थ एवं व्युत्पत्ति, पर्याय, विभिन्न परम्परायें। • वेद, वेदत्रयी, समाम्नाय, निगम, स्वाध्याय आदि का एकत्व। • ऋषि, देवता एवं छन्द का स्वरूप। • वैदिक संहिताओं एवं शाखाओं का उद्भव एवं विकास। • वेद, ब्राह्मण, आरण्यक एवं उपनिषदों की एकात्मता। • निगमागम का अन्तःसम्बन्ध।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 2	**यज्ञ एवं इष्टियाँ—** • काम्य एवं निष्काम यज्ञ। • यज्ञ की पात्रता एवं प्रारम्भिक विधान । • अग्निहोत्र, सन्ध्योपासन एवं वृत्तिनिरोध । • अग्निशाला, पंचाग्नि विवरण एवं यागशाला का विज्ञान । • ऋत, सत्य, दीक्षा, तप एवं यज्ञ के प्रत्यय। • शुभ एवं अशुभ की अवधारणाएँ (पुण्य- पाप, ऋत-अनृत, स्वर्ग नरक, आदि)। • विनियोग का स्वरूप- ऋषि, देवता, छन्द एवं उनका विनियोग।	12
ईकाई 3	**यज्ञमीमांसा-** • मीमांसाशास्त्र का संक्षिप्त परिचय । • वैदिक यज्ञों का फल । • 3. देवतत्त्व की अवधारणा ।	12
ईकाई 4	**वेद की उपादेयता** • व्यक्तित्व निर्माण के सन्दर्भ में। • स्वस्थ समाज के निर्माण के सन्दर्भ में। • राष्ट्र निर्माण के सन्दर्भ में। • विज्ञान तथा पर्यावरण की दृष्टि से वेदों का महत्त्व	12
ईकाई 5	**वैदिक निर्वचन** • निर्वचन का तात्पर्य तथा महत्त्व • वैदिक निर्वचन के प्रमुख सिद्धान्त • निरुक्त आध्ययन के उद्देश्य • उक्त शब्दों के निर्वचन- आचार्यः, वीरः, हृदः, गोः, समुद्रम्, वृत्रः, आदित्यः उषस्, मेघः, वाक्, उदकम्, नदी, अश्वः, अग्निः, जातवेदस्, वैश्वानरः, निघण्टुः	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. वैदिक संहितायें- *ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद*।

2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्वा प्रकाशन. वाराणसी।

3. ऋग्वेदभाष्यभूमिका, आचार्य सायण ।

4. अर्थसंग्रह, लौगाक्षिभास्कर।

5. मीमांसा कोश, केवलानन्द सरस्वती, 19521

6. वैदिक देवताओं का उद्भव एवं विकास गया चरण त्रिपाठी, नई दिल्ली. 2014 |

7. वैदिक देवता दर्शन, प्रभु दयाल अग्निहात्री, नई दिल्ली, 1989 |

8. वेदरश्मि, वासुदेव शरण अग्रवाल, वाराणसी, 1964 |

9. धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रथम भाग), पी वी काणे, पूना।

10. यज्ञतत्त्वप्रकाश, चिन्नस्वामी शास्त्री. सं पटटाभिराम शास्त्री, मोती लाल बनारसीदास. वाराणसी. 1995!

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

द्वितीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC4	**विषयकूटः**:- ARHS 204	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**वेदाङ्ग-चतुर्थप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनप्रथमसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.प्राचीनशिक्षाव्यवस्थया सह परिचयोः भविष्यति। 2.कर्तव्याकर्तव्यस्य ज्ञानं भविष्यति। 3.वेदपठनस्यावबोधो भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः:- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**शिक्षा** • श्रुत्युक्त शिक्षा का स्वरूप। • वेद की विभिन्न शाखाओं के अनुसार विभिन्न 'शिक्षा' ग्रन्थों का परिचय • शिक्षा एवं प्रातिशाख्यों का आन्तः सम्बन्ध • पाणिनीय शिक्षा के अनुसार वर्णोच्चारण तथा पाठक के गुण एवं दोष	12
ईकाई 2	**व्याकरण** • व्याकरण वेदाङ्ग का प्राधान्य • व्याकरण शास्त्र का प्रयोजन। • व्याकरण शास्त्र की प्राचीन एवं नव्य परम्परा। • व्याकरण शास्त्र के प्रसिद्ध आचार्यों का सामान्य परिचय • व्याकरण शास्त्र के अनुसार पारिभाषिक पदों का अर्थ- संज्ञा, सन्धि, प्रकृति, प्रत्यय, सुबन्त, तिङन्त, कारक , समास,धातु,एवं प्रातिपदिक,	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 3	कल्प तथा निरुक्त • कल्प शास्त्र का स्वरूप तथा प्रयोजन • वेदार्थावबोध में कल्प शास्त्र का योगदान। • निरुक्त शास्त्र का स्वरूप एवं प्रयोजन। • वेदार्थावबोध में निरुक्त शास्त्र का योगदान। • निरुक्त के अनुसार मन्त्रों का त्रैविध्य । • निरुक्तानुरूप देवतास्वरूप चिन्तन।	12
ईकाई 4	छन्दस् शास्त्र • **वैदिक तथा लौकिक छन्दों का स्वरूप तथा परिचय** • वर्णिक एवं मात्रिक छन्दों का विवेचन । • छन्दःशास्त्र में गण व्यवस्था • वेदार्थावबोध में छन्दः शास्त्र का योगदान।	12
ईकाई 5	**ज्योतिष** • ज्योतिष शास्त्र का स्वरूप तथा प्रयोजन • वेदार्थावबोध में ज्योतिष शास्त्र का योगदान। • ज्योतिष शास्त्र के प्रसिद्ध आचार्यों का सामान्य परिचय	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. याज्ञवल्क्य शिक्षा, अमरनाथ शास्त्री, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, दिल्ली।
2. नारदीय शिक्षा, श्रीपीताम्बरापीठ, संस्कृत परिषद्, दतिया।
3. पाणिनीय शिक्षा शिवराज आचार्य कौण्डिन्यायन्, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2013 |
4. पिङ्गलछन्दसूत्रम्, कपिलदेव द्विवेदी, श्यामलाल सिह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2015 |
5. ऋग्वेद प्रातिशाख्यम्, वीरेन्द्र कुमार वर्मा, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, दिल्ली।
6. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास (वेद खण्ड) उ.प्र. संस्कृत संस्थान लखनऊ।
7. निरुक्त, यास्क, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
8. व्यास शिक्षा।
9. शिक्षावल्ली, तैत्तिरीयोपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर।
10. छन्दोमजरी, गंगादास, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2015।
11. वृत्तरत्नाकर, केदार भट्ट, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2015 |

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः:	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60
समयः : 03:00 घण्टा	

<table>
<tr><td rowspan="3">आन्तरिकमूल्यांकनम्
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः
(CCE)</td><td>कक्षा परीक्षणम्</td><td></td></tr>
<tr><td>Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्</td><td></td></tr>
<tr><td>संपूर्णांकः</td><td>40</td></tr>
<tr><td rowspan="4">आकलनम् :
विश्वविद्यालयीयपरीक्षा</td><td>अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः
(प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)</td><td>5 × 1= 5</td></tr>
<tr><td>अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः
(प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)</td><td>5 × 3= 15</td></tr>
<tr><td>अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः
(प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)</td><td>5× 8 =40</td></tr>
<tr><td>सम्पूर्णङ्कः</td><td>60</td></tr>
</table>

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

तृतीयसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा-अङ्काः	आन्तरिक मूल्यांकन-अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 301	CC 1	पुनर्जन्म-बन्धन-मोक्ष-विमर्शः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 302	CC 2	प्रमाण सिद्धान्तः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 303	CC 3	भारतीय नीतिशास्त्र	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 304	CC 4	नाट्य	05	5Hrs	60	40	100
PVYG303	EC योग	योग के अनुप्रयोग एवं शिक्षण विधियाँ	05	5Hrs	60	40	100
VVVS302	EC वास्तुशास्त्रम्	भोजवास्तु					
ARSN304	EC संस्कृत	संस्कृतसाहित्येतिहासः					
VVJY302	EC ज्योतिर्विज्ञानम्	फलित ज्योतिषम्					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills	03	3 Hrs		60	60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion	02	2 Hrs		40	40
		TOTAL	30	30	300	300	600

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS) GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततःछात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम् ।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

तृतीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः			
1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC1	विषयकूटः- ARHS 301	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**पुनर्जन्म-बन्धन-मोक्ष- विमर्श-प्रथमप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.जीवविषयकं शास्त्रीयज्ञानं भविष्यति। 2.पुनर्जन्मविषयकं परिज्ञानं भविष्यति। 3.जीवनौचित्यस्य ज्ञानं भविष्यति	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**जीव स्वरूप** • आस्तिकदर्शनों में जीव का स्वरूप (न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, सांख्य, योग, मीमांसा।) • नास्तिकदर्शनों में जीव का स्वरूप (जैन, बौद्ध, चार्वाक।)	12
ईकाई 2	**भारतीय दर्शन में बन्धन का स्वरूप** • बन्धन की परिभाषा। • बन्धन की कोटियाँ : प्राकृतिक, वैकृतिक और दाक्षिणाबन्ध • आस्तिक दर्शनों के अनुसार बन्धन हेतु • नास्तिक दर्शनों के अनुसार बन्धन हेतु • श्रीमद्भगवद्गीता में बन्धन(गीता 3.37- 43, 2.62-67)	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 3	भारतीय दर्शन में पुनर्जन्म • पुनर्जन्म की परिभाषा तथा अवधारणा • आस्तिक दर्शन में पुनर्जन्म का सिद्धान्त • नास्तिक दर्शन में पुनर्जन्म का सिद्धान्त • श्रीमद्भगवद्गीता मे पुनर्जन्म का सिद्धान्त	12
ईकाई 4	भारतीय दर्शन में मोक्ष • मोक्ष की परिभाषा,पर्याय तथा अवधारणा • आस्तिक दर्शन में मोक्ष का सिद्धान्त • नास्तिक दर्शन में मोक्ष सिद्धान्त	12
ईकाई 5	मोक्षमार्ग • आस्तिक दर्शन में मोक्ष प्राप्ति हेतु आचार मीमांसा • नास्तिक दर्शन में मोक्ष प्राप्ति हेतु आचार मीमांसा • श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार ज्ञानयोग, कर्मयोग तथा भक्तियोग • संन्यासी और गृहस्थ हेतु मोक्षविषयक अवधारणा।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. ऋग्वेद संहिता, 10वाँ मण्डल, 57वाँ सूक्त, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर पारडी।

2. बृहदारण्यकोपनिषद्, द्वितीय (श्वेतकेतु) तृतीय तथा नवम ब्राह्मण गीताप्रेस संस्करण, 1915।

3. कठोपनिषद् गीताप्रेस, गोरखपुर, प्रथम संस्करण, 2019।

4. मुण्डकोपनिषद् द्वितीय (श्वेतकेतु) तृतीय तथा नवम ब्राह्मण, गीताप्रेस संस्करण, 1915।

5. श्वेताश्वतरोपनिषद् गीताप्रेस, गोरखपुर, तृतीय संस्करण 1949।

6. कौषीतकि ब्राह्मणोपनिषद्।

7. श्रीमद्भगवद्गीता गीताप्रेस, गोरखपुर।

8. सनातनधर्मोद्धार (भाषा-भाव-प्रभाटीकासमेत) (खण्ड 1 से 4), उमापति द्विवेदी, प्रेरक महामना मदन मोहन मालवीय, प्रकाह्सक, श्रीरामकृष्णदास, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी प्रेस, वाराणसी, संवत् 1999।

9. भक्तमाल नाभादास, स्वामी रामभद्राचार्य की मूलार्थबोधिनी टीका का साथ प्रकाशित, जगद्गुरु रामभद्राचार्य विकलांग विश्वविद्यालय, चित्रकूट, उत्तरप्रदेश 2014।

10. भगवद्भक्तिरसायनम्, मधुसूदन सरस्वती, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

11. गीताव्याख्यानमाला गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी 2006।

12. मैत्रयुपनिषद् सं रामतीर्थ पाण्डेय सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रथम संस्करण, 2001।

13. सांख्यतत्वकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी, 2012

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः		
अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा		
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

तृतीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटःCC2	विषयकूटः- ARHS 302	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**प्रमाणसिद्धान्त-द्वितीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.प्रत्यक्षादिप्रमाणस्यावबोधो भविष्यति। 2.शब्दशक्तेः ज्ञानं भविष्यति। 3.प्रमाणविषयकप्राकरणिकं ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	प्रमाण सिद्धान्त • प्रमाण शब्द की अर्थ व्युत्पत्ति तथा परिभाषा • प्रमाण सिद्धान्त का उद्भव एवं विकास • शास्त्रविश्लेषण की भारतीय पद्धति- प्रमाता, प्रमेय, प्रमाण, प्रमा।	12
ईकाई 2	**आस्तिक दर्शन में प्रमाण** • न्याय एवं वैशेषिक दर्शन में प्रमाण • सांख्य एवं योग दर्शन में प्रमाण • वेदान्त एवं मीमांसा दर्शन में प्रमाण • स्वतः प्रामाण्य तथा परतः प्रामाण्य	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 3	नास्तिक दर्शन में प्रमाण • जैनदर्शन में प्रमाण। • बौद्धदर्शन में प्रमाण • चार्वाक दर्शन में प्रमाण • विविध प्रमाणों की सीमाएं	12
ईकाई 4	शब्दशक्ति • अभिधा। • लक्षणा। • तात्पर्या। • व्यञ्जना।	12
ईकाई 5	प्रमाण सिद्धान्त की प्रासंगिकता • . प्रमाणों की परस्पर पूरकता। • दैनिक जीवन में प्रमाण प्रयोग। • आयुर्वेद , तथा अर्थशास्त्र में प्रमाण सिद्धान्त प्रयोग। • विधिशास्त्र(आधुनिक न्यायिक प्रक्रिया) प्रमाण सिद्धान्त प्रयोग।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

1. न्यायभाष्यम् प्रसन्नपदा टीका सहित , सम्पा द्वारिकादास शास्त्री- सुधी प्रकाशन- वाराणसी
2. सच्चिदानन्द मिश्र न्यायदर्शन में अनुमान भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी, 2005 |
3. फणिभूषण तर्कवागीश, न्यायदर्शन भारतीय दर्शन अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली, सम्पादक अम्बिकादत्त शर्मा
4. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली-विश्वनाथपञ्चाननभट्टाचार्य
5. काव्यप्रकाश:- आचार्य मम्मट
6. शब्दशक्तिप्रकाशिका- जगदीशतर्कालङ्कार
19. शक्तिवाद गदाधरभट्टाचार्य वैयाकरणलघुमजुषा- नागेशभट्ट ।

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

<table>
<tr><th colspan="3">भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः</th></tr>
<tr><td colspan="3">अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति
सम्पूर्णाङ्कः: 100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60
समयः : 03:00 घण्टा</td></tr>
<tr><td rowspan="3">आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):</td><td>कक्षा परीक्षणम्</td><td></td></tr>
<tr><td>Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्</td><td></td></tr>
<tr><td>सम्पूर्णांकः</td><td></td></tr>
<tr><td rowspan="4">आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा</td><td>अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)</td><td>5 × 1= 5</td></tr>
<tr><td>अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)</td><td>5 × 3= 15</td></tr>
<tr><td>अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)</td><td>5 × 8 =40</td></tr>
<tr><td>सम्पूर्णङ्कः</td><td>60</td></tr>
</table>

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम् (तृतीयसत्रार्द्धः)

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः -CC3	विषयकूटः- ARHS 303	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**भारतीय नीतिशास्त्र-तृतीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.प्राचीनन्यायव्यवस्थया सह परिचयो भविष्यति। 2.मौलिककर्तव्यस्य ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**आचारशास्त्र** • आचार शब्द का अर्थ, व्युत्पत्ति तथा अवधारणा • भारतीय आचार शास्त्र का इतिहास • मनुस्मृति के अनुसार आचार • याज्ञवल्क्यस्मृति के अनुसार आचार • श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार दैवी तथा आसुरी, सम्पत्।	12
ईकाई 2	**आर्षकाव्यों में आचारतत्त्व** • रामायण में आचार सिद्धान्त • महाभारत में आचार सिद्धान्त	12
ईकाई 3	**भारतीय नीतितत्त्व** • नीति शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, तथा अवधरणा • प्रमुख नीति ग्रन्थों का परिचय- (नीतिशतक, विदुरनीति,चाणक्यनीति,शुक्रनीति,) • व्यक्तित्त्व विकास तथा नैतिक चेतना।	12
ईकाई 4	**सन्त परम्परा और नीति** • कबीर, रविदास, नरसी मेहता • चैतन्य महाप्रभु, तिरुवल्लुवर,नामदेव • तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई • गुरुनानक देव, ज्ञानेश्वर, तुकाराम।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 5	**नीतिकथा तथा सूक्ति साहित्य** • नीति कथा साहित्य का परिचय • पाठ्यचर्या में नीति कथाओं का महत्त्व • सूक्ति तथा सुभाषित संग्रह ग्रन्थों का परिचय • उक्त विषयों पर सूक्ति विमर्श - दान, धर्म, सत्य, माता, पिता, गुरु, शिष्य,चरित्र,ब्रह्मचर्य, मित्र,परोपकार, सेवा, ज्ञान,जीवन, मन,तथा बुद्धि,	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. रघुनाथ गिरी : आचारशास्त्र भारतीय एवं पाश्चात्य, न्यू भारतीय बुक कार्पोरेश, दिल्ली 2009।
2. तिलक, बालगंगाधर, गीता रहस्य, पिलग्रिम्स प्रकाशन, वाराणसी, 2014।
3. महाभारत वेदव्यास, पण्डित श्रीपालसातवलेकर स्वाध्याय मण्डल पाड़ी जिला बालसड़, प्रथम संस्करण 1968।
4. श्रीमद्भगवद्गीता, मधुसूदन शास्त्री (सविमर्श बालक्रीड़ा) हिन्दी टीका सहित संवत् 2000।
5. वाल्मीकिरामायण, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2016।
6. भतृहरि-नीतिशतकम्, विदुरनीति, चाणक्यनीति, शुक्रनीति।
7. हितोपदेश,
8. सुभाषित रत्नभाण्डागारम्

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	**कक्षा परीक्षणम्**	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

तृतीयसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः - CC4	**विषयकूटः**- ARHS 304	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**नाट्य तथा काव्य परम्परा - चतुर्थप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनद्वितीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.नाट्यस्य परिज्ञानं भविष्यति । 2.नाट्यकाव्ययोः परम्परायाः ज्ञानं भविष्यति । 3. नाटकतत्त्वस्य ज्ञानं भविष्यति ।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	भरतमुनि का नाट्यशास्त्र • नाट्य का उद्भव, स्वरूप और महत्व। • नाट्यशास्त्रानुसार पारिभाषिक शब्दावली परिचय-(प्रेक्षागृह , पूर्व रङ्ग, नान्दी, मत्तवारिणी, नाट्यमण्डप, रङ्गपीठ,तथा रङ्गशीर्ष, नेपथ्य, सूत्रधार, पुष्पिका, अवतरणिका) • नाट्यशास्त्र ग्रन्थ की विषयवस्तु	12
ईकाई 2	नाट्यतत्त्व विमर्श • रस • भाव • अभिनय	12
ईकाई 3	रूपकलक्षण • दशरूपक लक्षण तथा उदाहरण • अठ्ठारह उपरूपको के लक्षण तथा उदाहरण • रूपक भेदक तत्त्व- वस्तु नेता तथा रस	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 4	छन्द तथा काव्य परम्परा • उक्त छन्दों का लक्षण तथा उदाहरण(अनुष्टुप् , उपजाति,इन्द्रवज्रा,उपेन्द्रवज्रा,वसन्ततिलका, शिखरिणी,मन्दाक्रान्ता, तथा आर्या, । • काव्य भेद, -गद्य पद्य तथा चम्पू,। दृश्य तथा श्रव्य काव्य।	12
ईकाई 5	कवि तथा काव्य परिचय • भास, कालिदास, अश्वघोष, तथा कल्हण • सोमदेव सूरी, हाल, चन्दवरदाई, • तुलसीदास तथा ज्ञनेश्वर	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. दशरूपकम् (अवलोकसहित), धनञ्जय व धनिक, काशीनाथ पाण्डुरङ्ग परब, निर्णयसागरमुद्रणालय, मुम्बई, शक 1819।
2. दशकरुपकम् साहित्यशास्त्रसमुच्चय भाग 4.1 सम्पादक रेवाप्रसाद द्विवेदी, सदाशिव कुमार द्विवेदी, प्रकाशक-कालिदाससंस्थान 28 महामनापुरी, पोस्ट काशीहिन्दूविश्वविद्यालय, वाराणसी 221005, 2019।
3. दशकरुपकम् (अवलोकसहित), धनंजय व धनिक अनुवादक रामजी उपाध्याय भारतीयविद्यासंस्थान वाराणसी-2।
4. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्रकाशन कालिदास संस्थान, 28 महामनापुरी कालोनी, पा का.हि.वि.वि.
5. नाट्यशास्त्र
6. साहित्य दर्पण

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं एवं वै.वि.वि,
उज्जैन (म.प्र.)

स्नातकोत्तरपरीक्षाकार्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S परीक्षा-योजना

एम.ए. हिन्दू अध्ययन

{programme code- MA-HIS}

चतुर्थसत्रार्द्धः

विषयकोडः	पाठ्यक्रम कोडः	पाठ्यक्रमनाम	पाठ्यक्रम क्रेडिटः	प्रतिसप्ताहम् अध्यापन कालांशः	बाह्यपरीक्षा -अङ्काः	आन्तरिक मूल्यांकन- अङ्काः	सम्पूर्णांकाः
ARHS 401	CC 1	वादपरम्परा	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 402	CC 2	तत्त्वविमर्शः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 403	CC 3	साहित्यसिद्धान्तः	05	5Hrs	60	40	100
ARHS 404	CC 4	भारतीय कला	05	5Hrs	60	40	100
PVYG403	EC योग	भारतीय दर्शन एवं मानव चेतना	05	5Hrs	60	40	100
VVVS403	EC वास्तुशास्त्रम्	भोजवास्तु					
ARSN404	EC संस्कृत	काव्यशास्त्रेतिहासः					
VVJY402	EC ज्योतिविज्ञान	फलितज्योतिषम्					
	CS(I)	संचारकौशलः Communication Skills	03	3 Hrs	NA		60
	GD(I)	सामूहिकपरिचर्चा Group Discussion	02	2 Hrs	NA		40
		TOTAL	30	30	300		300

Note- CORE COURSE (CC), ELECTIVE COURSE (EC) ,Communication skills (CS) GROUP DISCUSSION (GD)

1. विषयसमूहः CC1,CC2,CC3,CC4, अनिवार्यः वर्तते।
2. विषयसमूहेस्मिन् EC वैकल्पिको विद्यते । ततःछात्रैः स्वेच्छया कश्चिदेको विषयः स्वीकर्तव्यः ।
3. संचारकौशलः(कम्युनिकेशन स्किल्स) तथा सामूहिकपरिचर्चा (ग्रुप डिस्कशन) सर्वेषां कृते अनिवार्यम्।

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटःCC1	**विषयकूटः-** ARHS 401	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**वादपरम्परा-प्रथमप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	• भारतीयवाद परम्परायाः ज्ञानं भविष्यति । • शास्त्रार्थकौशलविकासो भविष्यति । • परिचर्चायाः ज्ञानं भविष्यति ।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**वादपरम्परा** • वाद शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ तथा अवधरणा • न्यायशास्त्रानुसार वाद का स्वरूप • न्यायशास्त्रानुसा सिद्धान्त भेद (सर्वतन्त्र- प्रतितन्त्र-अभ्युपगम-अधिकरण सिद्धान्त)	12
ईकाई 2	**शास्त्रार्थ परम्परा** • शास्त्रार्थ शब्द की व्युत्पत्ति, अर्थ, तथा अवधारणा। • शास्त्रार्थ की विधि । • प्राचीन भारतीय वाङ्गमय में शास्त्रार्थ के प्रसिद्ध प्रसङ्ग ।	12
ईकाई 3	**शास्त्रार्थ प्रक्रिया** • न्याय सूत्रानुसार षोडश पदार्थों का सामान्य परिचय । • शास्त्रार्थ प्रक्रिया तथा निग्रह स्थान ।	12
ईकाई 4	**ज्ञान का विस्तार तथा बोध** • सूत्र,भाष्य ,वार्तिक ,वृत्ति, विवृति,व्याख्या टीका , टिप्पणी, संग्रह । • संशय ,निर्णय ।	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	• अनुबन्ध चतुष्टय । • षड्विध लिंग(उपक्रम, उसंहार, अभ्यास, अपूर्वता, फल,अर्थवाद,तथा उपपत्ति)।	
ईकाई 5	अर्थ निर्णय • पदैकवाक्यता तथा वाक्यैकवाक्यता • अर्थनिर्धारण प्रविधि (श्रुति, लिंग, वाक्य, प्रकरण, स्थान, और सामाख्या) • तन्त्रयुक्तियां	12

भाग - स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रन्थाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. न्यायभाष्यम्-प्रसन्नपदा सहित-सम्पा द्वारिकादास शास्त्री-सुधीप्रकाशन, वाराणसी
2. संवादोपनिषद्, राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रकाशक- भारत अध्ययन केन्द्र, मालवीय हरिटेज काम्लेक्स काशी हिन्दू विश्वविद्यालय.
3. 'भाष्यपरम्परा ज्ञानप्रवाहश्च', (भाष्यपरम्परासु ज्ञानप्रवाहसातत्यम्- उमाशंकर शर्मा ऋषि) सम्पादक – गोपबन्धु मिश्र, सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, वेरावल, गुजरात, 2020 |
4. सच्चिदानन्द मिश्र, अर्थ सामीप्य अर्थ निर्धारण का महत्त्वपूर्ण घटक, दर्शन के आयाम, ब्रह्ममाद्य--1, न्यू भारती बुक कार्पोरेशन,
5. राधेश्याम चतुर्वेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
6. सांख्यदर्शन अशुतोष त्रिपाठी, भारती प्रकाशन, 20201।

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः	100
सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	40
विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE)	60
समयः : 03:00 घण्टा	

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः- CC2	**विषयकूटः** - ARHS 402	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**तत्त्वविमर्शः-द्वितीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1.	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**हिन्दू : तत्त्वविमर्श** • **हिन्दू शब्द की व्युत्पत्ति तथा अर्थ** • **हिन्दूवाद का मूल एवं क्रमिक इतिहास** • **हिन्दू जीवन शैली की वैज्ञानिकता**	12
ईकाई 2	**शक्ति तत्त्व** • हिन्दू परम्परा मे शक्ति तथा प्रकृति तत्त्व • वाक्सूक्त, देव्यथर्वशीर्षसूक्त का सामान्य परिचय, • हिन्दू धर्म में अर्धनारीश्वर अवधारणा • कश्मीर शैव-दर्शन के अनुसार तत्त्व विमर्श • वैदिक ऋषिकाओं का सामान्य परिचय	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

ईकाई 3	विद्या भेद • अष्टदश विद्या परिचय - स्वरूप तथा प्रसिद्ध आचार्य • विविध विद्या सम्बद्ध प्रमुख ग्रन्थ तथा आचार्य	12
ईकाई 4	सिद्धान्त बोध • वेदान्त दर्शन में एकात्मता सिद्धान्त • भारतीय दर्शनों का अन्तः सम्बन्ध और समन्वय • वर्ण तथा जाति का शास्त्रीय स्वरूप	12
ईकाई 5	**भारतीय मनीषी परम्परा** • शब्द परिचय - ऋषि, मुनि आचार्य, सन्त, गुरु ,उपाध्याय, • ब्रह्मर्षि,महर्षि,राजर्षि भेद तथा उदाहरण •	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. पुरुषसूक्त, ऋग्वेद 10 भण्डल 90वी सूक्त श्रीपाद दामादर सावन
2. नासदीयसूक्त, ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वीं सूक्त, श्रीपाद दामादर
3. वाक्सूक्त ऋग्वेद 10 मण्डल, 129वां सूक्त श्रीपाद दामादर
4. ईशादिनवोपनिषद्, हरिहरनाथ भागवत (ईश--केन-कठ-प्रश्न प्रकाशन, 2015 |
5. वैदिकसूक्तसंग्रह, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण।
6. सौन्दर्यलहरी, पिताम्बरा पीठ, दतिया मध्यप्रदेश।
7. शाङ्करज्योति (मनीषापञ्चक), सोमस्कन्दन, पयस्वती प्रकाशन, करादी, वाराणसी 2004 |
8. मनीषापञ्चक, आदिशङ्कराचार्य, पी पी नारायण स्वामी, 2020
9. बृहदारण्यक उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, संस्करण, 1915.
10. पुरुषार्थचतुष्टय, प्रेमवल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
11. भारतीय विद्यासार (भाग 1 एवं 2). भारतीय विद्या भवन, सं- शशिबाला आम विकास. अशाक प्रधान, नई दिल्ली, 2018।
12. संस्कृत वाङ्मय में विज्ञान का इतिहास, सं-- कमलाकान्त मिश्र एन सी आर नई दिल्ली, 2003।
13. प्राचीन भारतीय आचार्य, सम्पादिका - शशिप्रभा कुमार, रवा प्रकाशन, नई किती 2016।
14. भारत की संत परम्परा और सामाजिक समरसता कृषागापाल मध्यप्रदेश काय अकादी मापन 2018।
15. दुर्गासप्तशती, गीताप्रेस, गोरखपुर, सस्करण, 2017 |
16. केनोपनिषद्, ईशादि नो उपनिषद्, गीताप्रेस, गोरखपुर, 2017 |

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/
2. learnsanskrit.cc/index
3.sanskrit.samskrutam.com
4.swayam.gov.in

विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं.एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः		
अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति सम्पूर्णाङ्कः: 100 सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40 विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60 समयः : 03:00 घण्टा		
आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5× 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC3	**विषयकूटः** - ARHS 403	सत्रम् -2025-2026
2.	शीर्षकः	**साहित्य सिद्धान्त-तृतीयप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः (core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. काव्यशास्त्रस्य विशिष्टज्ञानं भविष्यति। 2. काव्यनिर्माणेषु निपुणः भविष्यति। 3. औचित्यविषयकं ज्ञानं भविष्यति।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्कः
ईकाई 1	**साहित्य परम्परा** • साहित्य शब्द का अर्थ, व्युत्पत्ति तथा अवधारणा • साहित्य का शास्त्रत्त्व • वैदिकसाहित्य परम्परा • लौकिक संस्कृत साहित्य परम्परा	12
ईकाई 2	**प्रमुख सिद्धान्त** • काव्य प्रयोजन • काव्य हेतु • काव्य लक्षण	12
ईकाई 3	**शब्द शक्ति** • अभिधा • लक्षणा • व्यञ्जना • तात्पर्या	12
ईकाई 4	**साहित्य सम्प्रदाय तथा सिद्धान्त** • रससम्प्रदाय	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	• अलंकारसम्प्रदाय • वक्रोक्तिसम्प्रदाय	
ईकाई 5	**साहित्य सिद्धान्त तथा सम्प्रदाय** • ध्वनिसम्प्रदाय • औचित्यसम्प्रदाय • रीतिसम्प्रदाय	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. नाट्यशास्त्र, भरतमुनि, अनुवादक – पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, 1996।
2. काव्यादर्श, दण्डी, व्या, शिवनारायण शास्त्री, परिमल प्रकाशन, दिल्ली, 2009।
3. काव्यलक्षण, दण्डी, मिथिला संस्कृत स्नातकोत्तर अध्ययन एवं शोध संस्थान, दरभंगा।
4. काव्यालङ्कार, भामह, व्या रामानन्द शर्मा, चौखम्बा संस्कृत सीरीज आफिस, चौक, वाराणसी, 2013।
5. साहित्यदर्पण, विश्वनाथ, व्या, शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2013।
6. ध्वन्यालोक आनन्दवर्द्धन, अनु जगन्नाथ पाठक, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2011।
7. औचित्यविचारचर्चा, क्षेमेन्द्र, अनु. ब्रजमोहन झा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 1982।
8. वक्रोक्तिजीवित, कुन्तक, अनु राधेश्याम मिश्र, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, वि.सं. 2055।
9. काव्यप्रकाश, मम्मट, नागेश्वरी टीका सहित, सं. श्रीहरिशंकर शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, वि.सं. 2060।
10. साहित्यशास्त्रसम्मुच्य भाग 1 से 7 सं. रेवाप्रसादद्विवेदी, सदाशिवकुमारद्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी।
11. संस्कृत काव्यशास्त्र का आलोचनात्मक इतिहास, रेवाप्रसाद द्विवेदी, प्र. कालिदाससंस्थान, 28 महामनापुरी वाराणसी 221005,

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE):	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा सं एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयः उज्जैनः (म.प्र.)

स्नातकोत्तरोपाधिपाठ्यक्रमः

(विकल्पाधारितक्रेडिटपद्धतिपाठ्यक्रमः)

C.B.C.S.

एम.ए. हिन्दू अध्ययनम्

चतुर्थसत्रार्द्धः

भाग-अ परिचयः

1.	पाठ्यक्रमस्य कूटः CC4	**विषयकूटः**- ARHS 404	सत्रम् -2025-2026
2.	प्रश्नपत्रस्य कूटः/शीर्षकः	**भारतीयकला-चतुर्थप्रश्नपत्र**	
3.	पाठ्यक्रमस्यप्रकारः (कोर कोर्स/ इलेक्टिव)	मुख्यविषयः(core course)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (If any)	1. महर्षिपाणिनिसंस्कृतवैदिकविश्वविद्यालयस्य एम.ए.हिन्दू अध्ययनतृतीयसत्रार्द्धपरीक्षोत्तीर्णः ।	
5.	पाठ्यक्रमस्य अध्ययनोपलब्धिः (Course Learning Outcomes (CLO)	1. भारतीयकलायाः परिज्ञानं भविष्यति । 2.कलाप्रभेदानां ज्ञानं भविष्यति । 3. भारतीयकलानां प्रासंगिकतायाः प्रतिपादनं भविष्यति ।	
6.	क्रेडिटमानम्	5	
7.	पूर्णांकाः-	100	उत्तीर्णांकः-35

भाग-ब, पाठ्यक्रमस्य विषयवस्तु

व्याख्यानस्य सम्पूर्णसङ्ख्या (प्रतिसप्ताहं पञ्चकालांशाः)

सम्पूर्णव्याख्यानकालः- पञ्चसप्ततिहोरात्मकः(75)

ईकाई	विषयः	अङ्काः
ईकाई 1	**कला की अवधारणा** • कला – व्युत्पत्ति , कोशगत अर्थ , तथा परिभाषा • काल शब्द का विभिन्न ग्रन्थों में अर्थ • कला का आध्यात्मिक , दार्शनिक तथा अलौकिक स्वरूप । • कला तथा विद्या- भेद और सम्बन्ध	12
ईकाई 2	**कला और लोक** • कला का लौकिक स्वरूप • वैदिक वाङ्गमय में कलाओं के सन्दर्भ • रामायण तथा महाभारत में कलाओं के सन्दर्भ • विविध काव्यों में कलाओं के सन्दर्भ	12
ईकाई 3	**कला प्रभेद** • कला – संख्या तथा वर्गीकरण • कामसूत्र में कला – प्रभेद	12

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

	• श्रीमद्भागवत् महापुराण की टीकाओं में कला विवेचन • शुक्रनीति में कला विवेचन • विविध ग्रन्थों में कला प्रभेद – अग्निपुराण , कादम्बरी, कला-विलास, चम्पूरामायण, समवायाङ्गसूत्र, विवेकविलास, जम्बूद्वीप प्रज्ञप्ति, प्रबन्धकोश, शिवतत्त्वरत्नाकर, वास्तुविज्ञानरत्नकोश, श्रीतत्त्वनिधि	
ईकाई 4	**कला लक्षण तथा उदाहृण विवेचन** • ललित कला – नृत्य ,गीत, वादन, आलेख्य, माल्यग्रन्थन,शेखरकापीडयोजन, तण्डुलकुसुमावलिविकार • शिल्पकला-वास्तु, तक्षण, मणिभूमिका कर्म, धातुशिल्प, प्रतिमालक्षण। • बुद्धिवैचक्षण्य कला – प्रहेलिका, प्रतिमाला, काव्यसमस्यापूरण, दुर्वाचकयोग, छन्द, अभिधानकोश, क्रियाकल्प, लिपिज्ञान। • क्रीडा तथा कौतुक- द्यूत, मेषकुक्कुटलावकयुद्धविधि, सूत्रक्रीडा, ऐन्द्रजाल, हस्तलाघव • पाककला -	12
ईकाई 5	कला की प्रासंगिकता • प्राचीन कलाओं का वर्तमान स्वरूप । • नवीन शिक्षानीति में कला । • विविध ग्रन्थों में कला महात्म्य । • वर्तमान सामाजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में कला का महत्त्व। • कलाकौशल विकास हेतु सर्वकारीय प्रयत्न ।	12

भाग-स अनुशंसिताध्ययनसंसाधनानि

पाठ्यपुस्तकानि, सन्दर्भग्रन्थाः, अन्यसंसाधनानि

अनुशंसित सहायकपुस्तकानि/ग्रंथाः/अन्यपाठ्यसंसाधनानि/पाठ्यसामग्री-

1. यजुर्वेद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पार्डी जिला बालसड, प्रथम संस्करण, 1968।
2. अथर्ववेद, श्रीपाद दामोदर सातवलेकर, स्वाध्याय मण्डल, पार्डी जिला बालसड, प्रथम संस्करण, 1968।
3. जयमङ्गला व्याख्या: श्री यशोधर विरचित (विद्या समुदेश्य प्रकरण) (तृतीय अध्याय), व्याख्याकार- श्री देवदत्त शास्त्री प्रकाशक- चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, संवत् 2039, सन् 2017।
4. महाभारत, गीता प्रेस संस्करण, संवत् 2016।
5. प्राचीन भारत के कलात्मक विनोद, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, तृतीय संस्करण, 1963।
6. मध्यकालीन बोधनस्वरुप (ई-बुक) हजारी प्रसाद संस्थान, लखनऊ, 1984।
7. क्षेमेन्द्र और उनका समाज उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, 1984।
8. तान्त्रिक साहित्य, गोपीनाथ कविराज, राजर्षि पुरुषोत्तमदास टंडन, हिन्दीभवन महात्मागाँधीमार्ग, लखनऊ, 1992।
9. भारतीय संस्कृति की रुपरेखा, पृथ्वी कुमार अग्रवाल, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, तृतीय संस्करण, 2020।
10. भारतीय कला वासुदेवशरण अग्रवाल पृथ्वी प्रकाशन, लङ्का, वाराणसी, 1966।
11. भारतीय वास्तुकला का इतिहास, कृष्ण दत्त वाजपेयी, उत्तरप्रदेश, हिन्दी संस्थान, लखनऊ, चतुर्थ संस्करण, 2015।
12. भारतीय संस्कृति के आधार, श्री अरविन्द, अनु० जगन्नाथ वेदालंकार एवं चन्द्रदीप त्रिपाठी, श्री अरविन्द आश्रम, पांडिचेरी, तृतीय संस्करण, 2017।
13. भारत की चित्रकला, रायकृष्ण दास, भारती भण्डार, इलाहबाद, 1936।
14. भारतीय मूर्तिकला, रमानाथ मिश्र, दिल्ली 1978।
15. मध्यकालीन भारतीय मूर्तिकला, मारुतीनन्दन प्रसाद तिवारी और कमल गिरि, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वितीय संस्करण

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पा.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)

16. कला कौमुदी – डॉ. पूजामनमोहन उपाध्याय
17. भारतीय ज्ञानपरम्परायां कला - डॉ. पूजामनमोहन उपाध्याय
18. कामसूत्र – वात्स्यायन चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी उ.प्र.
19. शुक्रनीति- शुक्राचार्य , चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी उ.प्र.
20. श्रीमद्भागवतमहापुराण – श्रीधरीटीका ,अन्वितार्थ प्रकाश टीका। चौखम्बा प्रकाशन वाराणसी उ.प्र.

Suggested equivalent online courses:

1- Sanskrit.inira.fr/

2. learnsanskrit.cc/index

3.sanskrit.samskrutam.com

4.swayam.gov.in

भाग- द अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः

अनुशंसितानां मूल्यांकनविधिः- लिखितपरीक्षा, आन्तरिकमूल्यांकनम्, साक्षात्कारविधिः,वाग्व्यवहारविधिः, वस्तुनिष्ठप्रशनः,लघुत्तरीयप्रश्ननिर्माणेन भविष्यति

सम्पूर्णाङ्कः: 100

सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE) 40

विश्वविद्यालयीय परीक्षा (UE) 60

समयः : 03:00 घण्टा

आन्तरिकमूल्यांकनम् सततव्यापकमूल्यांकनम् अङ्कः (CCE)	कक्षा परीक्षणम्	
	Assignment/ प्रस्तुतीकरणम्	
	संपूर्णांकः	40
आकलनम् : विश्वविद्यालयीयपरीक्षा	अनुभाग अ – पञ्च बहुविकल्पीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चाशत् शब्दाः) (50)	5 × 1= 5
	अनुभाग ब – पञ्च लघुत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं द्विशतशब्दाः) (200)	5 × 3= 15
	अनुभाग स –पञ्च दीर्घोत्तरीयप्रश्नाः (प्रत्येकं पञ्चशतशब्दाः) (500)	5 × 8 =40
	सम्पूर्णाङ्कः	60

अध्यक्ष
विशिष्ट संस्कृत विभाग
म.पां.सं. एवं वै.वि.वि.
उज्जैन (म.प्र.)